क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 175, गुरुवार, 19 जुलाई, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भीड़ की हिंसा पर

लोकसभा में विपक्ष का हंगामा

नई दिल्ली, संसद के मॉनसून सत्र की शुरूआत भी अनुमान के मुताबिक हंगामेदार ही रही। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने के बाद विभिन्न दल अलग-अलग मामलों पर सदन में शोरगुल करने लगे। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने प्रश्नकाल शुरू कर दिया। सदन में टीडीपी के सांसद आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर हमें न्याय चाहिए का शोर मचाने लगे। उधर, आरेजडी और सीपीएम देशभर भीड़ की हिंसा पर बहस को लेकर हंगामा करने लगे। आरजेडी और सीपीएम सांसद प्रश्नकाल स्थगित कर भीड़ की हिंसा पर बहस की मांग कर रहे थे।

मोदी सरकार के खिलाफ शुक्रवार को अविश्वास प्रस्ताव

लोकसभा में विपक्ष की ओर से नरेंद्र मोदी नीत राजग सरकार के खिलाफ पेश किए गए अविश्वास प्रस्ताव पर 20 जुलाई को चर्चा और मत विभाजन होगा। लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने कहा, अविश्वास प्रस्ताव पर 20 जुलाई (शुक्रवार) को चर्चा होगी।

हालांकि लोकसभा अध्यक्ष ने उनकी मांग को ठुकरा दिया। बता दें कि मॉनसून सत्र 18 जुलाई से 10 अगस्त तक चलेगा। सरकार ने सुचारू ढंग से सदन चलाने के लिए कोशिश भी शुरू कर दी है। तृणमूल कांग्रेस ने राज्यसभा में मॉब लिंचिंग पर बहस करने के लिए नोटिस दिया। आरजेडी ने मॉब लिंचिंग के मामले पर लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव दिया था।

इससे पहले सदन की कार्यवाही शुरू होने का साथ ही पहले नए चुने सांसदों ने शपथ ली और फिर लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने कुछ पूर्व दिवंगत सांसदों को श्रद्धांजलि दी। इस सत्र में सरकार 25 विधेयकों के पेश करने की तैयारी में है। तीन विधेयकों को वापस लेना है।

18 नए विधेयक सदन में पेश किए जाने वाले हैं। इसके अलावा राज्यसभा के डेप्युटी चेयरमैन का भी चुनाव होना है। सरकार और विपक्ष दोनों ही राज्यसभा के डेप्युटी चेयरमैन के चुनाव पर रणनीति बनाने में जुटी है।

इस बीच, लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने मॉनसून सत्र की शुरूआत में सांसदों को खुशखबरी देते हुए बताया कि सदन में वाई-फाई की सुविधा शुरू कर दी गई है। सभी सदस्य रजिस्ट्रेशन के बाद इसका लाभ उठा सकेंगे। हालांकि सरकार का यह गिफ्ट विपक्षी सांसदों का दिल नहीं जीत सका और मॉब लिंचिंग के मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ।

लोकसभा में सरकार के खिलाफ टीडीपी के अविश्वास प्रस्ताव को लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने मंजूरी दे दी है। प्रश्नकाल खत्म होते ही टीडीपी ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। प्रस्ताव पर संसदीय कार्य मंत्री अनंत कुमार ने कहा वह इसपर चर्चा के लिए तैयार हैं। टीडीपी के के श्रीनिवास ने एनडीए सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया।

कौन कहता है हमारे पास नंबर नहीं : सोनिया

लोकसभा में नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव मंजूर किए जाने के बाद सोनिया गांधी ने नंबर का गेम खेला है। सोनिया गांधी ने कहा है कि कौन कहता है कि हमारे पास नंबर नहीं हैं। इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने बुधवार को सरकार के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है।

राहुल गांधी का भाजपा पर तंज

'ताकतवर के सामने सिर झुकाता हूं'

नई दिल्ली, कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने सामाजिक कार्यकर्ता स्वामी अग्निवेश पर हुए हमले को लेकर आज इशारों-इशारों में बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी वर्चस्व बनाये रखने के लिए घृणा और भय का सहारा लेती है। गांधी ने ट्विटर पर इस संबंध में अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए स्वामी अग्निवेश की पिटाई की खबर वाला एक वीडियो भी शेयर किया है। परोक्ष रूप से बीजेपी का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, 'मैं सत्ता की पंक्ति में सबसे अग्रणी स्थान पर खड़े ताकतवर व्यक्ति के सामने नतमस्तक हूं। मेरे लिए एक व्यक्ति की ताकत और सत्ता सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। मैं सत्ता को बनाए रखने के लिए घृणा और भय का इस्तेमाल करता हूं और जो सबसे कमजोर हैं उन्हें बाहर का रास्ता दिखाता हूं और उन्हें कुचल देता हूं। मैं अपने लिए लोगों की उपयोगिता के आधार पर उनके इस्तेमाल को तबज्जो देता हूं। मैं कौन हूं?

गौरतलब है कि मंगलवार को कुछ लोगों ने स्वामी अग्निवेश की झारखंड के पाकुड़ जिले में मंगलवार को सामाजिक कार्यकर्ता स्वामी अग्निवेश पर कथित रूप से भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के कार्यकर्ताओं ने जय श्री राम के नारे लगाते हुए हमला कर दिया और उनकी पिटाई कर दी।

अब राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और राज्यपाल की गाड़ियों पर भी होंगे नंबर वाले प्लेट

नई दिल्ली, भारत के उच्च संवैधानिक पदों पर काबिज शख्सियतों जैसे राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्यपाल और उपराज्यपाल की गाड़ियों में अब आपको नंबर प्लेट होगा। जी हां, दरअसल ये बात दिल्ली हाई कोर्ट ने कही है।

देश में 'हिंदू तालिबान' की शुरूआत कर रही भाजपा-थरूर

तिरूवनंतपुरम, कांग्रेस के सीनियर नेता और केरल के तिरूवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर ने बीजेपी-आरएसएस पर फिर से हमला बोला है। थरूर ने 'हिंदू पाकिस्तान' के बाद 'हिंदू तालिबान' को लेकर बयान दिया। कांग्रेस सांसद ने कहा, देश में बीजेपी और आरएसएस 'हिंदू तालिबान' की शुरूआत कर रही है। थरूर ने कहा, बीजेपी के लोग कह रहे थे कि मैं पाकिस्तान चला जाऊं। मैं पूछना चाहता हूं कि मैं हिंदू हूं या नहीं, ये तय करने का हक उन्हें किसने दिया? मैं कहां रहूं कहां नहीं, ये तय करने वाले ये कौन हैं? क्या वे लोग हिंदुत्व के अंदर तालिबान की शुरूआत नहीं कर रहे हैं?'

शशि थरूर ने मंगलवार को तिरूवनंतपुरम के एक कार्यक्रम में ये बातें कही। दरअसल, हिंदू पाकिस्तान' वाले बयान के बाद बीजेपी नेताओं ने शशि थरूर को पाकिस्तान जाने की नसीहत दी थी। जिसके बाद थरूर ने बीजेपी-आरएसएस को जवाब दिया।

सोमवार को शशि थरूर के तिरुवनंतपुरम स्थित दफ्तर में कुछ उपद्रवियों ने जमकर तोड़फोड़ की। उपद्रवियों ने उनके ऑफिस की दीवारों पर काला तेल भी फेंका था। थरूर का आरोप है कि इस हमले के पीछे बीजेपी युवा मोर्चा के सदस्यों का हाथ है।उन्होंने कहा, 'लोग अपनी समस्याएं लेकर आते हैं, लेकिन आप उन्हें डराकर दूर भगा देते हैं। क्या यही हम अपने देश में चाहते हैं? यह बात मैं एक सांसद के नाते नहीं, बल्कि एक आम नागरिक होने के रूप में पूछ रहा हूं।

सबरीमाला मंदिर में महिलाओं को भी जाने की मिले इजाजत : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, सुप्रीम कोर्ट में केरल के सबरीमाला मंदिर में 10 से 50 उम्र वर्ग की महिलाओं के प्रवेश पर लगे प्रतिबंध के मामले पर सुनवाई चल रही है। बुधवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि देश में प्राइवेट मंदिर का कोई सिद्धांत नहीं है। मंदिर प्राइवेट संपत्ति नहीं बल्कि सावर्जनिक संपत्ति होते हैं, जहां कोई भी जा सकता है। कोर्ट ने यहां तक कहा कि जब भगवान ने पुरुष और महिला में कोई भेद नहीं किया, उसी ने दोनों को बनाया है तो फिर धरती पर भेदभाव क्यों किया जाता है।

बीते शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट इस मामले को संविधान पीठ को भेज दिया। पीठ फैसला करेगी कि क्या तय आयु वर्ग की महिलाओं के मंदिर में प्रवेश पर प्रतिबंध भेदभावपूर्ण है और संविधान के अनुच्छेद-14, 15, 17 का उल्लंघन है अनुच्छेद 14 समानता का अधिकार देता है, अनुच्छेद 15 धर्म, जाति, लिंग, जन्मस्थान के आधार पर भेदभाव से बचाव और अनुच्छेद 17 के अंतर्गत छुआछूत और इसके प्रयास को समाप्त करने का प्रावधान है। इस मामले पर बुधवार को सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में इस मामले की सुनवाई चल रही है। कोर्ट में जब इस मुद्दे पर बहस चल रही थी, उस समय जस्टिस दीपक मिश्रा ने कहा कि किसी भी सावर्जनिक संपत्ति में अगर पुरुष को प्रवेश की इजाजत है तो फिर महिला को भी प्रवेश की इजाजत मिलनी चाहिए। एक बार जब मंदिर खुलता है तो उसमें कोई भी जा सकता है।

जस्टिस डीवाई चंद्रचूड ने कहा सविंधान के अनुच्छेद 25 के तहत सब नागरिक किसी धर्म की प्रैक्टिस या प्रसार करने के लिए स्वतंत्र है। इसका मतलब ये है कि एक महिला होने के नाते आपका प्रार्थना करने का अधिकार किसी विधान के अधीन नहीं है, बल्कि संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि हर महिला भगवान की रचना है।

सांगली में पुलिस कांस्टेबल की हत्या

मुंबई, महाराष्ट्र के सांगली जिले में एक बार में मामूली झगड़े के बाद तीन अज्ञात व्यक्तियों ने कथित रूप से एक पुलिस कांस्टेबल की हत्या कर दी।

पुलिस अधिकारी ने आज बताया कि समाधान मांते सांगली के मिराज नगर थाने में कांस्टेबल के तौर पर तैनात थे। वह कल रात सांगली के ही कुपवाड फाटा इलाके में स्थित एक बार में गए थे, जहां शराब पी रहे तीन लोगों से किसी बात को लेकर उनकी बहस हो गई। उन्होंने बताया कि बहस जल्द ही हाथापाई में बदल गई, जिसके बाद एक आरोपी बार से बाहर गया और अपनी गाड़ी से धारदार हथियार लेकर आया। अधिकारी ने बताया कि मांते अन्य व्यक्तियों से बहस करने में लगे हुए थे तभी तीसरे शख्स ने धारदार हथियार से उनपर कथित रूप से हमला कर दिया।

दूध उत्पादकों के खिलाफ दर्ज मामले वापस लिए जाएंगे- फडणवीस

नागपुर, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आज राज्य विधानसभा में ऐलान किया कि वर्तमान में चल रही दूध की हड़ताल के दौरान दुग्ध उत्पादकों के खिलाफ दर्ज मामले वापस लिये जाएंगे। फडणवीस ने हालांकि स्पष्ट किया कि ऐसे लोगों पर दर्ज मामले वापस नहीं लिये जाएंगे जो दुग्ध उत्पादक तो नहीं हैं ,लेकिन उन पर शामिल होन के आरोप है।

पंत पहली बार टेस्ट टीम में शामिल

लीड्स, युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को इंग्लैंड के खिलाफ पहले तीन टेस्ट के लिए आज पहली बार भारत की 18 सदस्यीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया लेकिन पांच दिवसीय प्रारूप की टीम में एक बार फिर अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा की अनदेखी की गई।

बीस साल के पंत को दिनेश कार्तिक के साथ विशेषज्ञ विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में टीम में जगह मिली है। नियमित विकेटकीपर रिद्धिमान साहा के चोटिल होने के कारण कार्तिक अफगानिस्तान के खिलाफ भारत के पिछले टेस्ट में खेले थे। साहा इस साल आईपीएल के दौरान लगी अंगूठे की चोट से उबर रहे हैं। यो - यो टेस्ट में विफल रहने के बाद अफगानिस्तान मैच से बाहर किए गए तेज गेंदबाज शमी ने पूर्ण फिटनेस हासिल करने के बाद एक अगस्त से शुरू हो रही पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए टीम में वापसी की है। टेस्ट श्रृंखला में हालांकि भुवनेश्वर कुमार के खेलने पर सवालिया निशान लगा हुआ है क्योंकि कल इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे के दौरान उनकी कमर की चोट बढ़ गई। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, उनकी (भुवनेश्वर की) स्थिति का बीसीसीआई की मेडिकल टीम आकलन करेगी और जल्द ही उन्हें टेस्ट टीम में शामिल करने पर फैसला किया जाएगा। बयान के अनुसार एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान अनफिट रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह दूसरे टेस्ट से चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। टीम में एकमात्र नया चेहरा पंत है जिन्हें आईपीएल सहित घरेलू सर्किट में अच्छे प्रदर्शन का फायदा मिला है। आज टीम का चयन करने वाले चयनकर्ताओं के पास फार्म में चल रहे रोहित को टीम में वापसी कराने का विकल्प था लेकिन उन्होंने युवा खिलाड़ी को मौका देने को तरजीह दी। पंत ने 22 प्रथम श्रेणी मैचों में एक तिहरे शतक की मदद से 54 .16 की औसत के साथ रन बनाए हैं। इस स्तर पर भारत की ओर से सबसे तेज शतक जड़ने का रिकार्ड भी उनके नाम पर है। उन्होंने 2016-17 सत्र में मात्र 19 बरस की उम्र में महाराष्ट्र के खिलाफ 308 रन की पारी खेली थी। इंग्लैंड के हालात के सामंजस्य बैठाने में पंत को परेशानी नहीं होनी होना चाहिए।

रोहित की फिर अनदेखी

हिमाचल प्रदेश में मिग-२१ दुर्घटनाग्रस्त, पायलट की मौत

शिमला/ नयी दिल्ली, हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के एक गांव में आज एक मिग-21 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस घटना में भारतीय वायुसेना के एक पायलट की जान चली गयी। वायुसेना ने इस हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। भारतीय वायुसेना के एक प्रवक्ता ने नयी दिल्ली में जानकारी दी कि विमान नियमित उड़ान पर था और वह पठानकोट एयरबेस से उड़ान भरने के एक घंटा बाद दोपहर एक बज कर 20 मिनट पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में रूस में बने मिग 21 को उड़ा रहे स्क्वाड्रन लीडर मीत कुमार की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि जांच के आदेश दे दिये गए हैं। रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने पायलट की मौत पर 'गहरा शोक' व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि बहादुर पायलट स्क्वाड्रन लीडर मीत कुमार को हमने एक हादसे में खो दिया।

सबरीमाला मंदिर में महिलाओं को ना जाने देना संविधान के खिलाफ : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसी)।

केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री पर रोक को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि महिलाओं का मंदिर के अंदर ना जाना संविधान के खिलाफ है। चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा, जस्टिस रोहिनतोन फाली निरमन, एम खानविल्कर, डीवाई चंद्रचूड़ और इंदू मल्होत्री की बेंच इस मामले पर सुनवाई कर रही थी। दीपक मिश्रा ने महिलाओं के मंदिर के अंदर प्रवेश करने का समर्थन करते हुए कहा कि किस आधार पर मंदिर महिलाओं की एंट्री पर बैन लगा रहा है। चीफ जस्टिस ने कहा के मंदिर एक सार्वजनिक संपत्ति है जहां कोई भा आ सकता है, अगर यहां किसी को भी आने की अनुमति है तो फिर महिलाओं को क्यों नहीं? संविधान में पुरुषों और महिलाओं को बराबरी का दर्जाद दिया गया है ऐसे में मंदिर के अंदर महिलाओं के प्रवेश ना करने देना संविधान के खिलाफ है। बता दें कि 2015 में केरल सरकार ने महिलाओं के प्रवेश का समर्थन किया था, लेकिन 2017 में उसने अपना रुख बदल दिया था। महिलाओं के एंट्री को लेकर बीते दिनों केरल सरकार ने भी विरोध किया था।

राज्यसभा में ७ नए सदस्यों ने ली शपथ

नयी दिल्ली, आरएसएस विचारक राकेश सिन्हा, शास्त्रीय नृत्यांगना सोनल मानसिंह, मूर्तिकार रघुनाथ महापात्र सहित सात नये सदस्यों ने आज राज्यसभा की सदस्यता की शपथ ली। मानसूत्र सत्र के पहले दिन इन सदस्यों ने शपथ ली। शपथ लेने वालों में रामसकल भी हैं जो पूर्व भाजपा सांसद हैं। सिन्हा, सोनल मानसिंह, महापात्र और सकल को पिछले सप्ताह ही उच्च सदन के लिए मनोनीत किया गया था। सोनल मानसिंह ने जहां हिन्दी में शपथ ली वहीं मूर्तिकार और शिल्कार महापात्र ने ओड़िया में शपथ ली। आरएसएस विचार तथा दिल्ली स्थित विचारक संस्था इंडिया पालिसी फाउंडेशन के मानद निदेशक सिन्हा और रामसकल ने भी हिन्दी में शपथ ली। केरल से तीन नवनिर्वाचित सदस्यों..माकपा के ई करीम, भाकपा के विनय विश्वम तथा केरल कांग्रेस (मणि) के जोस के मणि ने भी शपथ ली।

ग्रेटर नोएडा : दो इमारतें ढहीं

नोएडा, नोएडा के शाहबेरी गांव में कल रात दो इमारतों के ढहने की घटना में पांच लोगों की मौत हो गई है। इस घटना के सिलसिले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि 18 अन्य के खिलाफ गैर इरादतन हत्या और आईपीसी की अन्य धाराओं के तहत एक मामला दर्ज किया है। हादसे की मजिस्ट्रेट जांच का आदेश दिया गया है।

बचाव टीम ने मलबे में दबी एक महिला समेत पांच लोगों के शवों को बाहर निकाला है। बचाव व राहत कार्य अभी भी जारी है। आशंका है कि अभी भी इमारत के मलबे में दर्जनभर लोग और दबे हैं। मुख्य दमकल अधिकारी अरुण कुमार सिह ने बताया कि दोनों इमारतों में दर्जनभर लोगों की फंसे होने की आशंका है। उन्होंने बताया कि रात से ही चल रहे बचाव और राहत कार्य में देर रात को दो लोगों के शवों को बाहर निकाला गया था, जबकि आज सुबह एक व्यक्ति के शव को बाहर निकाला गया है। उन्होंने बताया कि आज शाम छह बजे के करीब एक पुरुष और एक महिला के शव को बाहर निकाला गया। दमकल अधिकारी ने बताया कि पांच शवों में से तीन की शिनाख्त हो पाई है। महिला का नाम प्रियंका है जबकि देर रात मिले दो शवों की पहचान रंजीत तथा शमशाद के रूप में हुई है।

५ शव बरामद

संपादकीय

भीड़ हत्या पर सख्त अदालत

जब समाज में भय और अराजकता की स्थिति हो, तो सरकार को सख्त और सकारात्मक कदम उठाने होते हैं। इसी सूत्र के साथ सुप्रीम कोर्ट ने भीड़ हत्या के बढ़ते दौर पर न सिर्फ चिंता जताई, बल्कि केंद्र सरकार को अलग से सख्त कानून बनाने को भी कहा है। सच है कि भीड़ का न कोई चरित्र होता है, न चेहरा। वह अलग समय और अलग हालात पर अलग चेहरा लेकर मौजूद होती है, वैसा ही आचरण करती है। अक्सर ये समाज के स्वयंभू ठेकेदार होते हैं, तो कई बार ऐसे लोग, जिन्हें पता ही नहीं होता कि वे क्या करने जा रहे हैं या कर गए हैं। संविधान में जीने के अधिकार को सबसे महत्वपूर्ण मौलिक अधिकार माना गया है। यहां जिंदगी लेने के तरीके की भी व्याख्या है कि किसी को जीने के अधिकार से वंचित करने की भी हालात विशेष में एक विधिक प्रक्रिया होगी, किसी को भी किसी की जान लेने का अधिकार नहीं होगा। ऐसी स्पष्ट व्यवस्थाओं वाले देश में भीड़ हत्या को सिर्फ भयावह कहा जा सकता है। ऐसी ही घटनाओं के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने माना कि ऐसी हिंसा की अनुमति नहीं दी जा सकती और इनसे निपटने के लिए दरकार है, तो नया कानून बनना चाहिए। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि कानून-व्यवस्था से जुड़ा तंत्र देश की लोकतांत्रिक व धर्मनिरपेक्ष व्यवस्था को बचाए रखने के लिए ठीक तरीके से काम करे, यह सुनिश्चित करना सरकारों की जिम्मेदारी है। उसे मानना होगा कि भीड़ हत्या सामान्य घटना नहीं है और इसे सामान्य घटना बनने भी नहीं दिया जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट की चिंताओं को समझने की जरूरत है। इसे पहले ही समझ लिया जाता, तो आज यह जरूरत न पड़ती। भीड़ का कानून हाथ में लेना नई बात नहीं। बिहार, झारखंड, यूपी और मध्य प्रदेश के पिछड़े इलाकों में डायन या बच्चा चोर बताकर भीड़ हत्या की खबरें जब-तब आती रहती थीं, पिछले कुछ समय में गो-रक्षा के नाम पर एक नई जमात पनपती दिखाई दी, जिसने सभ्य समाज की चिंता बढ़ाई। यह हिंसा और हिसाब सलटाने की नई प्रवृत्ति थी और दुर्भाग्यवश हमारे कानून ने इसे अलग तरह से देखने की जरूरत नहीं समझी। इन मामलों में वही धाराएं लगीं, जो आम हत्या में लगती हैं। जबकि भीड़ हत्या एक ऐसी सामाजिक बुराई है, जो सिर्फ किसी की जान नहीं लेती, समाज को बीमार भी बनाती है। सर्वोच्च अदालत ने भी इसी पर बल देते हुए अलग कानून की बात कही है। लेकिन सिर्फ नया कानून ही नहीं, इसके लिए नई तरह की राजनीतिक हस्तक्षेपमुक्त इच्छाशक्ति की भी जरूरत होगी। ढांचागत दोष भी दूर करने होंगे। अकेला कानून क्या कर लेगा, जब अदालतें ही नहीं होंगी, और अदालतें तब होंगी, जब पर्याप्त संख्या में जज होंगे। यानी यह सिर्फ कानून बनाने का नहीं, तंत्र को मजबूती देने के साथ मजबूत इरादों से न्याय देने की मंशा जगाने का मामला भी है। अच्छा है कि कोर्ट की यह व्यवस्था संसद के मानसून सत्र से ठीक पूर्व आई है। माना कि संसद के पास पहले से ही काफी काम होगा, लेकिन अदालत की बात को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उम्मीद है, सरकार और विपक्ष मिलकर फिर वैसा मौका नहीं देंगे, जब पुलिस सुधार के मामले में शीघ्र सुनवाई की जनहित याचिका सुनने से शीर्ष अदालत ने यह कहकर इनकार कर दिया था कि 'माफ कीजिए, हमारी तो कोई सुनता ही नहीं है'।

ममता के गढ़ में मोदी

पश्चिम बंगाल भाजपा के लिए कितना अहम है, यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मिदनापुर की जनसभा में दिखा। वैसे तो यह ''कृषक कल्याण रैली' थी, जिसमें केंद्र सरकार द्वारा किसानों के हित में चलाए जा रहे कार्यक्रमों और नीतियों के बारे में जनता को बताया गया, मगर निशाने पर थीं सूबे की सरकार की मुखिया ममता बनर्जी। प्रधानमंत्री ने बिना लाग-लपेट के ममता सरकार के शासन-प्रशासन की बखिया उधेड़ी। उनके गढ़ में जाकर तृणमूल की सरकार को कोसा, लानत-मलामत की और उस पर कई संगीन आरोप भी लगाए। कहा कि राज्य में लूट-खसोट करने वालों का राज है, सिंडिकेट की तरह सरकार काम कर रही है। साफ तौर पर प्रधानमंत्री ने राज्य की कानून-व्यवस्था, विकास के पैमाने पर लगातार पिछड़ते जाना, राजनीतिक हिंसा में बढ़ोतरी समेत कई मसलों पर ममता सरकार को कठघरे में खड़ा किया। दरअसल, भाजपा की रणनीति पश्चिम बंगाल को लेकर बेहद स्पष्ट है। लोक सभा की 42 सीटों में से भाजपा ने 22 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। राज्य के सियासी मसले भी उसके मनमाफिक रहे हैं। चाहे भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या का ममला हो या पर्व-त्योहारों को लेकर सरकार का अपरिपक्व निर्णय। इन मुद्दों को अपने हिसाब से इस्तेमाल कर भाजपा ने सियासी जमीन को उर्वर किया। भाजपा नेतृत्व इस बात को भली-भांति जानती और समझती है कि हिन्दुत्व के उभार ने उसे फायदा पहुंचाया है। यहां तक कि राज्य में पहले से मौजूद दो प्रमुख पार्टियां वाम और कांग्रेस भी उससे पीछे हो गई हैं। 2014 के बाद से राज्य में भाजपा का ग्राफ लगातार बढ़ा है। 2016 में भाजपा ने भले मात्र तीन विधानसभा सीटों पर जीत हासिल की मगर उसे 10 फीसद वोट मिले। यहां तक कि अभी-अभी संपन्न पंचायत चुनाव में भले सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस ने क्लीन स्वीप किया मगर दूसरे स्थान पर भाजपा ने बाजी मारी है। फिलवक्त वह राज्य में माकपा-भाकपा और कांग्रेस के मुकाबले सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी हो गई है। और यही तृणमूल नेतृत्व के लिएचिंता का सबब भी है। हालांकि विधानसभा चुनाव 2020 में होंगे मगर 2019 में होने वाले आम चुनाव के लिए भाजपा के आक्रामक तेवर ने राज्य की सियासी तस्वीर को हद तक स्पष्टता दे दी है। प्रधानमंत्री का राज्य की जनता को त्रिपुरा की तरह सरकार बदलने का आह्वान भी यही संकेत देता दिख रहा है।

चौं रे चम्पू/अशोक चक्रधर

कई बार देखना

चौं रे चम्पू! सुनी ऐ, तू आजकल्ल डबल रोल की फिलम बनाय रह्यौ ऐ?-डबल रोल! आप अपने आप से पूछिए कि एक जीवन में एक आदमी कितने रोल करता है, या कर सकता है। शायर निदा फाज़ली कह गए हैं, ''हर आदमी में होते हैं दस-बीस आदमी, जिसको भी देखना हो कई बार देखना।' एक आदमी के दिल-दिमाग की परत-दर-परत भेदते हुए अंदर तक जाओ, तब भी न समझ पाओगे कि यह आदमी कुल मिलाकर है क्या! चेहरों पर चेहरे लगे रहते हैं। देखेंगे कुछ, कहेंगे कुछ, सोचेंगे कुछ और करेंगे कुछ। फिल्में क्यों अच्छी लगती हैं? क्योंकि दूसरों के जीवन में झांकने का मौका देती हैं। ऐसा भी होता है कि डबल आदमी मिलकर एक आदमी का रोल करे।-जाकौ का मतलब भयौ?-अब बायोपिक का चलन चल पड़ा है न! दिवंगतों की जीवनियां तो अनेक देखीं, अब जीते-जी की जीवनी आ रही हैं। मैरी कॉम, फोगाट, डॉ. मनमोहन सिंह, धोनी सब जीवित हैं। संजय दत्त के होते हुए रणबीर कपूर ने ''संजू' का रोल किया। क्या अद्भुत अभिनय किया है चचा। खूब सराहना हो रही है। ''संजू' ऐसी फिल्म बन गई है, जिसने न्यूनतम समय में सर्वाधिक कमाई करके दिखाई है। रणबीर ने निर्देशक-दृष्टि से अभिनय किया और वह संजू के अंदर के दस-बीस आदमियों के अंदर सफलता से चला गया। मैं ट्रेलर देखकर ही समझ गया था कि फिल्म अद्भुत होगी। राजू हीरानी एक समाज-मनोवैज्ञानिक हैं। समाज भी अब ''पाप' स्वीकारोक्तियों का स्वागत करने लगा है! ये जो नया बनता हुआ समाज है न, साफगोई से प्यार करता है। रमानाथ अवस्थी जी कहते थे ''पाप किया, पुण्य किया, किया पूरे मन से।' बच्चन जी ने कहा, ''कह रहा जग वासनामय हो गया उद्गार मेरा, मैं छिपाना जानता तो जग मुझे साधू समझता।' सबके अंदर अच्छाई और बुराई का संघर्ष चलता है। अंदर के भोलेपन के साथ बिगड़ैल संजू, एक आदमी! अपराधों की सजा पाने को तैयार संजू, दूसरा आदमी! उसके अंदर के अन्य दस-बीस आदमी भी देखने हों तो चचा फिल्म को कई बार देखना। आदमी बीस मिलें न मिलें, फिल्म हर बार इक्कीस मिलेगी।

यहां से निकल सकती है नई राह

शशांक पूर्व विदेश सचिव

शीत युद्ध के बाद क्या विश्व-व्यवस्था एक नए बदलाव का गवाह बनने जा रही है? यह सवाल इसलिए, क्योंकि फिनलैंड की राजधानी हेलसिंकी में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन की एक सार्थक मुलाकात हुई है। इस 'वन टु वन टॉक' का पूरा ब्योरा तो अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है, पर जितनी बातें फिनलैंड के राष्ट्रपति भवन से छनकर बाहर आई हैं, उनसे यही लगता है कि दोनों नेता एक स्थिर विश्व की दिशा में काम करना चाहते हैं। परमाणु हथियारों को लेकर बैठक में खासतौर से चर्चा हुई होगी, जिसकी तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने बैठक शुरू होने से पहले ही इशारा किया था। चूंकि परमाणु हथियारों का करीब 90 फीसदी जखीरा इन्हीं दोनों देशों के पास है, इसलिए अगर दोनों देश इसे थामने को लेकर एक राय बना पाए, तो निश्चय ही वैश्विक शांति की दिशा में यह मुलाकात मील का पत्थर साबित होगी। कहा यह भी जा रहा है कि आतंकवाद से निपटने और मध्य-पूर्व (भारत के लिए पश्चिम एशिया) में सीरिया जैसे देशों की अस्थिरता को खत्म करने के लिए भी लेकर दोनों नेता संजीदा हैं। यह खबर हमारे लिए भी सुखद है, क्योंकि इन मसलों से नई दिल्ली भी जूझ रही है।

इस बैठक पर दुनिया भर की नजरें यूं ही नहीं लगी थीं। माना जा रहा था कि इसमें क्रीमिया और अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव का मसला उठेगा, जिनकी वजह से वाशिंगटन और मॉस्को के रिश्ते हाल के वर्षों में बिगड़े हैं। क्रीमिया का तनाव तब बढ़ा था, जब रूस ने 2014 में उस पर अपना कब्जा जमा लिया था। मॉस्को पर साल 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में दखल देने के आरोप भी हैं। मगर ट्रंप ने रूस के साथ द्विपक्षीय रिश्तों में आई गिरावट की वजह किसी राष्ट्रपति चुनाव या क्रीमिया को नहीं, बल्कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति को माना है। आखिर ऐसा कैसे हुआ? मेरा मानना है कि इसकी वजह यूरोपीय देश हैं, जिनके अंदर उथल-पुथल का दौर जारी है। यूरोपीय संघ के कारण इटली, यूनान जैसे देशों की आर्थिक हालत काफी बिगड़ गई है। वे नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) में अपनी आर्थिक भागीदारी पूरी तरह नहीं निभा पा रहे हैं, जबकि शीत युद्ध के बाद से नाटो का लगातार विस्तार हुआ है। इसका अर्थ यह है कि नाटो में यूरोपीय संघ की हिस्सेदारी कमजोर हो रही है और एक गठबंधन के रूप में वे बंट-से गए हैं। ऐसे में, अमेरिका पर भार बढ़ गया है, जिसके खिलाफ घरेलू मोर्चों पर आवाजें उठने लगी हैं। ट्रंप भी इसका समर्थन कर चुके हैं।

वैसे अमेरिका की मौजूदा व्यवस्था की एक सच्चाई यह है कि कई मामलों में राष्ट्रपति ट्रंप और वहां के सत्ता-प्रतिष्ठान की राय बिल्कुल अलग होती है। यूरोपीय नीति को लेकर भी मसला कुछ ऐसा ही है। अमेरिकी सत्ता प्रतिष्ठान यूरोपीय गठबंधन की दोबारा मजबूती चाहता है; फिर चाहे कारोबारी रिश्ता आज जैसा ही क्यों न हो। मगर ट्रंप इसके खिलाफ रहे हैं। दूसरी तरफ, यूरोप भी अपने तरीके से रूस और ईरान के साथ संबंध बनाना चाहता है। इसकी वजह यह है कि सर्दी के महीनों में यूरोप को तेल और गैस की ज्यादा जरूरत होती है। लिहाजा वह भी इन देशों के साथ अपने संबंध बिगड़ने देने के पक्ष में नहीं है। उसके लिए रूस और ईरान, दोनों महत्वपूर्ण सहयोगी बन जाते हैं।

एक मसला मध्य-पूर्व यानी पश्चिम एशिया भी है। वहां की स्थिरता अमेरिका के लिए काफी मायने रखती है। रूस का सीरिया में बेस है, जबकि वहां ऐसे आतंकी समूह भी सक्रिय हैं, जो पश्चिम एशिया को अस्थिर कर सकते हैं। इसीलिए ट्रंप ने पुतिन से मुलाकात करके यह सुनिश्चित करने की कोशिश की है कि पश्चिम एशिया में और अधिक उथल-पुथल न बढ़े। वह आतंकवाद के मसले पर एक समग्र बातचीत के पक्षधर दिखे, जो न सिर्फ पश्चिम के नजरिये से हो, बल्कि उसमें रूस के दृष्टिकोण को भी पर्याप्त जगह मिले। इसी तरह ईरान और अफगानिस्तान के साथ भी नए रिश्ते बनाने की कोशिश में ट्रंप दिखते हैं।

इस मुलाकात के बहाने सिंगापुर से आगे बढ़ने की कोशिश भी की गई है। सिंगापुर में पिछले दिनों डोनाल्ड ट्रंप और उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग-उन की मुलाकात हुई थी। राष्ट्रपति ट्रंप जानते हैं कि उत्तर कोरिया को मुख्यधारा में तब तक शामिल नहीं किया जा सकता, जब तक ट्रंप की चीन व रूस के साथ एशिया के अन्य देशों के साथ इस मसले पर फैसलाकुन बातचीत न हो जाए। इसका मतलब यह भी है कि ट्रंप पारंपरिक नजरिये से अलग हटकर चीजों को नए चश्मे से देखना चाहते हैं, जिसमें जाहिर तौर पर कई चुनौतियों का सामना भी उन्हें करना होगा। सबसे पहले तो उन्हें घरेलू चुनौतियों से जूझना होगा, जो आसान काम नहीं है। हालांकि ट्रंप जिस रवैये के लिए जाने जाते हैं, उसमें अभी कुछ भी ठोस रूप से कहना गलत होगा।

रूस ने फीफा फुटबॉल वर्ल्ड की मेजबानी करके मौजूदा तनातनी को काफी नरम करने का काम किया है। उसने न सिर्फ मुफ्त वीजा की पेशकश की, बल्कि वीजा आगे बढ़ाने जैसी उदारता भी दिखाई। यही नहीं, सबके सत्कार पर भी उसने पर्याप्त ध्यान दिया। लगे हाथ पुतिन ने 'फुटबॉल डिप्लोमेसी' के तहत 2026 के वर्ल्ड कप की मेजबानी के अमेरिकी दावे का समर्थन भी किया ।

साफ है, एक नए संबंध की शुरुआत हो चुकी है। इसका एशिया, खासतौर से पश्चिम एशिया पर खासा असर पड़ेगा। मुमकिन है कि आने वाले दिनों में हम अमेरिका, रूस और चीन के बीच नए रिश्ते बनते देखें, जिनका हमें भी फायदा होगा। अमेरिका-रूस तल्खी की वजह से ही मास्को की निकटता बीजिंग (चीन) से बढ़ चली थी, जिसका लाभ पाकिस्तान को मिल रहा था। यह हमारे लिए चिंता की बात थी। उम्मीद है, अब अमेरिका और रूस के रिश्तों में आई नई गरमाहट पाकिस्तान सहित उन तमाम चुनौतियों से पार पाने में मददगार होगी, जो हमारे लिए परेशानी का सबब रही हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

> यह माना जा सकता है कि डोनाल्ड ट्रंप अलग चश्मे से दुनिया को देखना चाहते हैं पर उनकी जो ख्याति है, उसमें कुछ भी नहीं कहा जा सकता।

नजरिया

राजनीतिक आडंबर या समय को समझने की कोशिश

केसी त्यागी, वरिष्ठ जद-यू नेता

केरल में सत्ताधारी सीपीआई (एम) के सांस्कृतिक संगठनों द्वारा 'रामायण महीने' के आयोजन की सूचना मात्र से राजनीतिक प्रतिक्रियाएं होने लगी हैं। 17 जुलाई से 16 अगस्त तक मलयालम महीना कारकीडकम की परंपरा के साथ ही इस बार रामायण माह का आयोजन पार्टी के एजेंडे में है। गरीबी व बारिश जनित बीमारियों से मुक्ति की मान्यता के साथ इस दौरान अधिकतर हिंदू घरों में भगवान राम के कथा-वाचन की परंपरा के मद्देनजर सरकार ने इस पूरे माह रामायण व्याख्या और पाठ की योजना बनाई है। केरल सरकार की इस पहल के बाद माकपा पर छवि बदलने की कोशिश जैसे आरोप भी लग रहे हैं। प्रतिक्रियाएं चौंकाने वाली नहीं हैं, क्योंकि कम्युनिस्ट व सोशलिस्ट नास्तिक माने जाते हैं। भारतीय समाज से धर्म को लेकर इनकी दूरी रही है। पश्चिम बंगाल में भी मार्क्सवादियों द्वारा दुर्गा पूजा के कार्यक्रमों से दूरी बनाए रखना उन्हें भारी पड़ा। बांग्ला समाज में उनके प्रति आकर्षण में आई कमी राज्य में उनकी कमजोरी का एक बड़ा कारण रही। इस स्थिति में मार्क्सवादियों की केरल इकाई के सांस्कृतिक संगठनों व सरकार की इस पहल को सकारात्मक रूप में देखे जाने की आवश्यकता है, क्योंकि ऐसी पहल भारतीय समाज में साम्यवादियों की स्वीकार्यता में वृद्धि में सहायक हो सकती है।

मार्क्सवादी धर्म को क्रांति की सबसे बड़ी बाधा मानते रहे। इसी का असर था कि भारतीय साम्यवादियों के वक्तव्य, आचरण व घोषणापत्र भी धर्म विरोधी हुए। यद्यपि 1947 के बाद देश में कम्युनिस्टों का प्रभाव तेजी से बढ़ा। कम्युनिस्टों के नेतृत्व में तेलंगाना का सशस्त्र विद्रोह और 1957 में नंबूदरीपाद के नेतृत्व में केरल में कम्युनिस्टों की पहली सरकार बनी। यह संयोग भी है कि वहां के चर्च से जुड़े शिक्षण संस्थान कम्युनिस्टों के निशाने पर आ गए।

ऐसा ही नूतन प्रयोग समाजवादी विचारक राम मनोहर लोहिया द्वारा भी किया गया। कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी से अलग होकर राममनोहर लोहिया, जय प्रकाश नारायण और नरेंद्र देव ने अलग दल बनाया। ईएमएस नंबूदरीपाद, पी सुंदरैया, राममूर्ति आदि की राह अलग हो गई। आचार्य नरेंद्र देव नास्तिक थे। जेपी भी धार्मिक आचरण से दूरी रखते थे। सबसे अनूठा और निराला व्यक्तित्व लोहिया का रहा, जिन्होंने राम, कृष्ण और शिव-तीनों के व्यक्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डालने के साथ तुलनात्मक विश्लेषण भी किया। साठ के दशक में उन्होंने समाजवादी मित्रों को रामायण मेले आयोजित करने का सुझाव भी दिया। रामायण मेले से जुड़ा उनका यह वक्तव्य आज भी प्रसांगिक है-'धर्म और राजनीति का रिश्ता बिगड़ गया है। धर्म दीर्घकालीन राजनीति है और राजनीति अल्पकालीन धर्म। धर्म श्रम की उपलब्धि का प्रयत्न करता है, राजनीति बुराई से लड़ती है। हम आज एक दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति में हैं, जिसमें बुराई से विरोध की लड़ाई में धर्म का कोई रास्ता नहीं रह गया है और वह निर्जीव हो गया है, जबकि राजनीति अत्यधिक कलही और बेकार हो गई है। तुलसीकृत रामायण में निश्चय ही सोना, हीरा-मोती बहुत हैं, लेकिन उसमें कूड़ा और उच्छिष्ट भी काफी हैं। इन दोनों को धर्म से इतना पवित्र बना दिया गया है कि भारतीय जन की विवेक-दृष्टि लुप्त हो गई है। इस मेले का उद्देश्य है कि भारतीय जनता वह विवेक-दृष्टि पुन- प्राप्त करे।' लोहिया मानते थे कि धर्म और राजनीति की जड़ें एक हैं, पर उनके दायरे को अलग रखना ही कल्याणकारी होगा।

लोहिया के ये विचार आज सर्वाधिक प्रासंगिक हैं, क्योंकि यदि साम्यवादियों व समाजवादियों द्वारा इनका अनुसरण होता, तो आज ऐसे विवाद पैदा ही नहीं होते। आज श्रीराम से जुड़े आयोजन मात्र से इन दलों पर पाला पलटने, तुष्टिकरण के प्रयास आदि के आरोप लग रहे हैं, क्योंकि धर्म का राजनीतिक और राजनीति का धार्मिक इस्तेमाल हुआ है। धर्म और उससे जुड़े आडंबरों की जड़ें गहरी भी हैं और पुरानी भी। हमारे यहां धर्म प्रचारकों व गुरुओं की लंबी फेहरिस्त है, पर समाज सुधारकों के चंद नाम ही हैं। मार्क्सवादियों ने अगर इस मर्ज को समझा है, तो स्वागतयोग्य है। लेकिन उन्हें भी ढोंग व आडंबर से बचकर 'रामायण महीने' का आयोजन करना होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

फीफा

जीत से बदलेगा फ्रांस का माहौल

मनोज चतुर्वेदी

फ्रांस दूसरी बार फीफा विश्व कप को जीतने में कामयाब हो गया। यह कामयाबी उन्हें 20 साल के बाद मिली है। उन्होंने पिछली बार 1998 में मौजूदा कोच डिडियर डेसचैंप्स की अगुआई में इस कप पर कब्जा जमाया था। इस तरह डेसचैंप्स एक खिलाड़ी और कोच के रूप में फीफा विश्व कप जीतने वाले ब्राजील के जगालो और जर्मनी के बेकनबाउर के बाद तीसरे व्यक्ति बन गए हैं। फाइनल में शुरुआती खेल की बात करें तो शायद ही किसी को लगा होगा कि क्रोएशिया हार भी सकती है। गेंद पर पूरी तरह से नियंतण्रउनका था। उनकी टीम के ही हमले बन रहे थे। लेकिन हालात को पलटने वाला कुछ ऐसा हुआ कि जिसका क्रोएशिया के पास तोड़ नहीं था। पहले दो गोल झटके के तौर पर पड़ना। दोनों गोल खेल की धारा के विपरीत पड़े।

क्रोएशिया को फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाने वाले मांजुकिच ही टीम के लिए खलनायक बन गए। फ्रांस को मिले कॉर्नर पर मांजुकिच के हैडर से उनकी टीम का ही गोल भिद गया। इसके बाद वह स्वाभाविक खेल नहीं दिखा सके। हालांकि उन्होंने फ्रांस के गोलकीपर लोरिस की गलती का फायदा उठाकर दूसरा गोल जमाया। मैच रेफरी नेस्टर पिटाना का पेनल्टी के लिए वीएआर का सहयोग लेना भी क्रोएशिया के खिलाफ गया। पेनल्टी को ग्रीजमैन ने गोल में तब्दील कर दिया। पेरिसिच की हैंडबॉल जानबूझकर नहीं थी, और गेंद गोल की तरफ भी नहीं जा रही थी, ऐसी स्थिति में रेफरी शायद पेनल्टी नहीं देता। पर जब सही फैसलों के लिए वीएआर का इस्तेमाल किया जा रहा है, तो इसके फैसले पर विवाद करने के बजाय इसके साथ जीना सीखना चाहिए। इन दो झटकों ने क्रोएशिया को कभी उभरने का मौका ही नहीं दिया। फ्रांस के जीतने की मुख्य वजह उनकी हमलावर तिकड़ी ग्रीजमैन, एमबापे और पॉल पोग्बा का देखने लायक खेल था। इस तिकड़ी ने अपनी टीम के गेंद पर कम नियंतण्रहोने पर भी अपने हमलों को गोल में बदलने में महारत दिखाई। क्रोएशिया के डिफेंडर लोवेरान को फाइनल से पहले तक दुनिया के सर्वश्रेष्ठ डिफेंडरों में शुमार किया जा रहा था। लेकिन जब उन्हें एमबापे को रोकने की जिम्मेदारी मिली तो अपनी भूमिका बखूबी नहीं निभा सके। क्रोएशिया ने अपनी छवि पिछड़ने के बाद वापसी करने वाली टीम की बनाई हुई थी। लेकिन फ्रांस की हमलावर तिकड़ी के सामने उनकी एक न चली। पॉल पोग्बा का यह दूसरा विश्व कप है पर वह अपनी क्षमता इसी विश्व कप में दिखा सके हैं। अपने खेल से वह साबित करने में सफल रहे कि कुछ भी अप्रत्याशित कर सकते हैं। फ्रांस को ही नहीं बल्कि दुनिया को एमबापे के रूप में नया सुपरस्टार मिल गया है। वह गजब की गति के तो मालिक हैं ही, उनके पैरों की चपलता भी स्वाभाविक है। ऐसे खिलाड़ी को रोक पाना आसान नहीं होता। वह चैंपियनशिप में चार गोल जमाकर सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी चुने गए। फ्रांस का डिफेंस भी उसकी जान साबित हुआ। वैसे तो उसके दो प्रमुख डिफेंडर बार्सिलोना क्लब के सैमुअल उमटिटी और रियाल मैड्रिड के रफेल वारने हमेशा एक दूसरे के खिलाफ खेलते हैं। लेकिन राष्ट्र की सेवा करते समय उन्होंने ऐसी एकजुटता दिखाई कि क्रोएशिया के अटैक बनाने वालों को भी पसीना आ गया। क्रोएशियाई हमला बनाने वाले जब कभी इस दीवार में दरार बनाने में सफल हो गए तो उन्हें गोल के सामने गोलकीपर लोरिस जैसी अभेद्य दीवार कड़ी नजर आई। इसलिए गोल जमाने वालों जितनी ही अहम भूमिका इन हमलों को विफल करने वालों की भी रही। क्रोएशिया का फाइनल में तरोताजा नहीं उतरना भी उसकी हार का कारण बना। यह सही है कि उन्होंने शुरुआत से ही गेंद पर नियंतण्रबनाकर हमलों का जोर बांधा। लेकिन फाइनल से पहले नॉकआउट चरण के तीन मैच अतिरिक्त समय में और इसमें भी दो में पेनल्टी शूटआउट से फैसला होने के कारण वह लगभग 100 मिनट ज्यादा खेलकर आए थे। यही नहीं उन्हें समीफाइनल और फाइनल के बीच आराम के लिए फ्रांस से एक दिन कम मिला। इसे उनके पैरों पर थकान का असर होना स्वाभाविक है। वह पहली बार फाइनल में पहुंचने के उत्साह से खेल तो रहे थे। लेकिन वापसी में पैरों में जिस ताकत की जरूरत होती है, वह नहीं होने से वह इस विश्व कप में पहली बार पिछड़ने के बाद वापसी करने में असफल रहे। इसके अलावा, कोच डेसचैंप्स ने दो साल पहले घर में यूरो कप के फाइनल में पुर्तगाल से हारने से सबक लेकर इस बार फूलप्रूफ योजना बनाई। उन्होंने टीम की बढ़त के बाद भी हमलों के सिलसिले को नहीं रोका और क्रोएशिया के जवाबी हमलों को थामने के लिए तैयार रहे। इन कारणों ने फीफा विश्व कप को 20 साल बाद फ्रांस पहुंचा दिया।

संक्षिप्त

कार सवारों ने कांस्टेबल को मारी गोली

प्रतापगढ़, जिले में कार सवार लोगों ने कल रात पुलिस अधीक्षक कार्यालय के पास स्थित एक शराब की दुकान के पास एक कांस्टेबल को गोली मार दी। थाना प्रभारी निरीक्षक अभय सिंह ने बताया कि कांस्टेबल करण प्रताप (२५) थाना कोहड़ौर में तैनात है। कल रात करीब दस बजे पीडब्ल्यूडी चौराहे के निकट स्थित शराब की सरकारी दुकान के पास उसकी स्कूटी से एक कार में खरोंच लग गयी। इसे लेकर हुई कहा सुनी के दौरान कार सवारों ने कांस्टेबल को गोली मार दी। प्रताप को गंभीर हालत में जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे मेडिकल कालेज इलाहाबाद रेफर कर दिया गया। पुलिस इस संबंध में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

हेलमेट ने बचाई युवक की जान

मलसा (गाजीपुर), राष्ट्रीय राजमार्ग-२४ पर सुबह हेलमेट ने युवक की जान बचा ली। हालांकि उसके हाथ व पैर में गंभीर चोटें आई हैं अगर वह हेलमेट नहीं पहने होता तो उनकी जान भी जा सकती थी। सुहवल थाना क्षेत्र के भगीरथपुर गांव निवासी कपिल देव शर्मा के पुत्र अनिमेष सुबह बाइक से जा रहे थे। काशी गोमती बैंक देवरिया में ओवरटेक करने में ट्रक ने धक्का मार दिया। वह पत्थर से टकरा गए। इसके बाद पानी भरा गड्ढे में गिर गए। आसपास के ग्रामीणों ने निजी स्वास्थ्य केंद्र में उनका इलाज कराया गया। बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई।

पति, ससुर व सास को १० साल की सजा

फैजाबाद, अष्टम अपर सत्र न्यायालय सुरेश कुमार शर्मा ने गोसाईंगंज के लता दहेज हत्याकांड में पति विवेक कुमार गुप्त, ससुर राजकुमार गुप्त व सास अमरावती को १०-१० साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। तीनों पर कुल १२ हजार रुपये जुर्माना भी किया गया है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता कालिका प्रसाद सिंह के मुताबिक गोसाईंगंज कस्बे में नवविवाहिता लता की गला घोटकर हत्या कर दी गई थी। वारदात 9,10 जून 2012 की रात की थी। लता के भाई संजय गुप्त का आरोप था कि ससुराल वाले दहेज में मोटर साइकिल, सोने के चेन, अंगूठी व एक लाख रुपये नगद की मांग कर रहे थे। इसी को लेकर उसे प्रताड़ित किया जाता था, फिर उसकी हत्या कर दी गई।

विवाद में गिराया छप्पर, दंपति को पीटा

गड़वारा (प्रतापगढ़), अंतू थाना क्षेत्र के नरिया दुबान गांव निवासी नारायण प्रताप दुबे और रमाकांत दुबे में जमीन पर कब्जे को लेकर विवाद चल रहा है। दोनों में आए दिन तकरार होती रहती है। इसी बात को लेकर कल सुबह रमाकांत दुबे के पक्ष के लोगों ने नारायण प्रसाद के छप्परनुमा मकान को अपना बताते हुए छप्पर गिरा दिया। आरोप है कि उसमें रखा गैस सिलिंडर समेत अन्य घरेलू सामान भी उठा ले गए। विरोध करने पर नारायण प्रसाद और उनकी पत्नी को मारा-पीटा। सूचना मिलने पर अंतू एसओ ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल किया। पुलिस ने नारायण प्रसाद दुबे की तहरीर पर रमाकांत दुबे, सभाकांत, उमाकांत, अजय, अक्षय पर कब्जा करने और तोड़फोड़ के साथ मारपीट का मुकदमा दर्ज किया है।

विधायक ने किया नलकूप का वादा

पलिगढ़ (मऊ), क्षेत्रीय दौरे पर निकले क्षेत्रीय विधायक श्रीराम सोनकर कल स्थानीय चट्टी पर पहुंचे। यहां पर लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। बातचीत के दौरान किसानों का दर्द उभर कर सामने आया। इसे गंभीरता से लेते हुए श्री सोनकर ने एक राजकीय नलकूप लगवाने का वादा किया। वहीं पलिगढ़ की पलिगाढ़ी माता के स्थान से नरसिंहपुर सरहद तक सड़क पिच कराने का भी वादा किया। इसका दंश दर्जनों गांव के लोग कई वर्षों से झेल रहे हैं। लोगों का कहना है कि उक्त मार्ग का 800 मीटर का मार्ग कभी बना ही नहीं।

तालाब में नहाते समय दो बच्चे डूबे, मौत

गोंडा, कल दोपहर गांव के पास स्थित तालाब में नहाने गए दो बालकों की पानी में डूबकर मौत हो गयी। इस हादसे से पीड़ित परिवारों में कोहराम मच गया। मनकापुर कोतवाली क्षेत्र के दतौली गांव के युवराज यादव (१४) पुत्र शिवचरण यादव व कुड़ासन गांव के मजरे डिहवा निवासी सतीश कश्यप (१०) पुत्र रक्षाराम गांव के पास बने उलहिया तालाब में अपने दोस्तों के साथ नहाने गए थे। नहाते समय सतीश का पैर फिसल गया, जिससे वह गहराई में चला गया। उसको बचाने के लिए युवराज भी आगे बढ़ा तो खुद भी पानी में डूबने लगा। साथ गए दोस्तों ने शोर मचाते हुए गांव वालों को खबर दी, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। दोनों की पानी में डूबने से मौत हो गई। ग्रामीणों ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से दोनों के शवों को तालाब से बाहर निकाला और घटना की सूचना उच्चाधिकारियों को दी। मौके पर पहुंचे उपजिलाधिकारी बीके प्रसाद व कोतवाल अशोक सिंह की मौजूदगी में दोनों शवों का पंचनामा भरकर परिजनों को सौंप दिया गया।

श्यामसुंदर बने कानू वैश्य समाज के जिलाध्यक्ष

देवरिया, उत्तर प्रदेश सर्व कानू वैश्य समाज के प्रदेश अध्यक्ष अमरेन्द्र गुप्त ने शहर के राघवनगर निवासी श्यामसुंदर मद्धेशिया को देवरिया व संतोष मद्धेशिया को बलिया का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। अध्यक्ष ने दोनों पदाधिकारियों से संगठन को मजबूत बनाने कर दिशा में कार्य करने की अपेक्षा की है। इनके मनोनयन पर संयोजक संजय कानू, संरक्षक रविन्द्र मद्धेशिया, प्रदेश महामंत्री सपना गुप्ता, मनोज मद्धेशिया, चंद्रशेखर गुप्ता, सुनील मद्धेशिया, प्रदीप गुप्त ने हर्ष जताया है।

जहरखुरानी का शिकार हुआ युवक

देवरिया, भलुअनी थानाक्षेत्र के कोरिया चौरियां निवासी महाजन पुत्र राम विलास पंजाब प्रांत के जगाधरी में मजदूरी का काम करते थे। लंबे समय बाद वह काम कर घर लौट रहे थे। जगाधरी स्टेशन पर वह जनसेवा एक्सप्रेस पकड़कर वह घर आ रहा था। रास्ते में कहीं जहरखुरानों ने उसे नशीला पदार्थ खिलाकर कैश व सामान लूटकर फरार हो गए।

राहुल की अमेठी में संघ ने बढ़ाई अपनी ताकत

अमेठी, कांग्रेस या फिर यह कहें गांधी-नेहरू परिवार के लिए सबसे महफूज समझी जाने वाली अमेठी में संघ लगातार अपनी ताकत बढ़ाने में लगा है। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के संसदीय क्षेत्र अमेठी में संघ की तीन सौ से अधिक शाखाएं वर्तमान में संचालित हो रही हैं। शायद यही वजह है कि राहुल गांधी अमेठी समेत पूरे देश में भाजपा से अधिक संघ पर हमलावर रहते हैं। संघ ही था जिसने आम चुनाव 2014 में राहुल गांधी के मुकाबले भाजपा के टिकट पर चुनावी रणभूमि में उतरीं स्मृति ईरानी के लिए कांग्रेस के सबसे मजबूत गढ़ अमेठी में जमीन तैयार की थी और उन्हें 23 दिन के प्रचार में ही तीन लाख से अधिक मत मिले थे। अमेठी-रायबरेली में कांग्रेस को मात देने की भाजपा की हसरत पुरानी है। वर्ष 2014 में अमेठी में संघ के सह पर कार्यवाह व भाजपा-संघ के समन्वयक डा. कृष्णगोपाल के कार्यक्रम के बाद भाजपा को मिले रिकार्ड मतों ने उम्मीद बढ़ा दी है। तब से लगातार संघ अपनी ताकत बढ़ाने में लगा है। अमेठी में संघ के इतिहास संकलन योजना के बालमुकुंद का जुड़ाव बना रहता है। चार साल पहले जिला प्रचारक दीनानाथ के समय संघ को गांव-गांव तक पहुंचाने का जो सिलसिला शुरू हुआ था, वह लगातार बढ़ता ही जा रहा है। अमेठी संसदीय क्षेत्र को संघ

गांव-गांव में हुआ संगठन का फैलाव

ने तीन जिलों और तीन सौ से अधिक मंडलों में बांट रखा है। अमेठी-रायबरेली के साथ जगदीशपुर जिले में विभाजित अमेठी संसदीय क्षेत्र का आधे से अधिक भाग काशी तो बाकी बचा भाग अवध क्षेत्र में आता है। अमेठी में 45 मंडल में कुल 145 शाखाएं लगती हैं तो जगदीशपुर में संघ ने कुल 52 मंडल बना रखे हैं। यहां कुल 90 शाखाएं संचालित होती हैं। सलोन में भी इनकी संख्या 20 के पार है। संघ ने अपने स्वयंसेवकों से मिलने के लिए बाकायदा कार्यक्रम बना रखा है। सप्ताह में मंडली कार्यक्रम व माह में मिलन कार्यक्रम में सभी की आपस में मुलाकात होती है। इसमें संघ के बड़े पदाधिकारी भी शामिल होते हैं। अमेठी में हर साल प्राथमिक शिक्षा वर्ग का आयोजन होता है। इसमें नए स्वयंसेवकों को संघ से जोड़ा जाता है और उन्हें सात दिन का प्रशिक्षण दिया जाता है। अमेठी में संघ की सक्रियता का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि वर्ष 2019 के आम चुनाव में संघ के स्वयंसेवकों से टक्कर लेने के लिए कांग्रेस सेवादल के सिपाहियों को मजबूत किया जा रहा है। अमेठी में सेवादल की जिला इकाई के पुनर्गठन के साथ ही प्रशिक्षण शिविर का भी आयोजन होने जा रहा है।

७ माह बाद अस्तित्व में आई नगर निगम की मिनी सदन कार्यकारिणी

वाराणसी, शपथ ग्रहण के ७ माह बाद अंततः मंगलवार को टाउनहाल सभागार में नगर निगम मिनी सदन के कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव निर्विरोध संपन्न हो गया। पिछले दो बार मिनी सदन में विवाद के चलते चुनाव नहीं हो पा रहा था। भाजपा की ओर से पार्षद राजेश जायसवाल, सांझा मंच से सीताराम केशरी ने कार्यकारिणी सदस्यों के नाम का प्रस्ताव रखा। जिस पर किसी भी पार्षद ने आपत्ति नहीं जताई। इसके बाद महापौर ने सभी 12 सदस्यों के नाम घोषित करने के साथ सदन स्थगित कर दिया। कार्यकारिणी सदस्यों में भाजपा के छह, कांग्रेस के तीन, सपा के दो और एक निर्दल पार्षद शामिल हैं। निकाय चुनाव के बाद निर्वाचित पार्षदों का 12 दिसंबर 2017 को शहीद उद्यान पार्क में शपथ ग्रहण हुआ था। इसके बाद कार्यकारिणी का गठन हो जाना चाहिए था। इसके लिए चौकाघाट सांस्कृतिक संकुल में

छह जनवरी को पहली बैठक बुलाई गई। 24 मार्च को दूसरी बैठक में पार्षदों के हंगामा करने पर पुलिस ने लाठीचार्ज करने के साथ कैंट थाने में मुकदमा दर्ज कर कई पार्षदों को जेल भेज दिया था। सुबह 11.18 पर कार्यकारिणी चुनाव की प्रक्रिया शुरू करने के लिए महापौर मृदुला जायसवाल ने आदेशित किया। महापौर से समय मांगते हुए निर्दल पार्षद अजित सिंह ने 24 मार्च को हुई घटना पर खेद व्यक्त करते हुए कहा कि हंगामे में कोई पार्षद नहीं था, बल्कि बाहरी शामिल थे, जिससे सदन की गरिमा गिरी। भरोसा दिलाया कि सदन में ऐसी घटना नहीं होगी। पार्षदों पर लगे मुकदमे वापस कर लिए जाए। महापौर मृदुला जायसवाल ने निर्दल पार्षद की बात से सहमति जताते हुए नगर आयुक्त डा. नितिन बंसल से कहा कि शीघ्र मुकदमा वापसी की प्रक्रिया पूरी कर ली जाए। इसके बाद कार्यकारिणी सदस्यों का नाम प्रस्तावित कर पार्षदों से आपत्ति मांगी गई। कुछ पार्षदों ने आपत्ति जतानी चाही, मगर वे विरोध नहीं कर सके।

पीएम के सांसद आदर्श गांव नागेपुर से उठी जिले को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग

वाराणसी, लोक समिति के तत्वावधान में प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम नागेपुर में वाराणसी जिले को सूखाग्रस्त घोषित करने, कर्जा माफ करने के साथ राजस्व वसूली रोके जाने को लेकर ग्रामीणों ने कल अम्बेडकर पार्क पर धरना दिया। धरने के बाद किसानों ने मुख्यमंत्री, राज्यपाल व प्रधानमंत्री को प्रेषित ज्ञापन के माध्यम से जिले को सूखाग्रस्त घोषित करने की माग की। लोक समिति संयोजक नन्दलाल मास्टर ने धरने को संबोधित करते हुए कहा कि आषाढ़ का महीना बिन बरसात के गुजरने वाला है इस माह की औसत वर्षा का 40 प्रतिशत भी बारिश नहीं हो पायी है, जिससे जिले के किसान ज्वार, तिल, मक्का, सब्जी, अरहर आदि की फसल के अलावा धान की रोपाई तक नहीं कर पाए। बारिश का इंतजार करते -करते धान की नर्सरी अब खराब हो गयी है। किसान भुखमरी के कगार पर हैं। ऐसी दशा में वाराणसी जिले को अविलम्ब सूखा घोषित किया जाए। धरने में शामिल किसानों ने कहा कि बिजली विभाग व बैंक अधिकारियों द्वारा संकट की इस स्थिति में भी किसानों को परेशान कर उनके ट्रैक्टर आदि खींचे जा रहे हैं जिसे तत्काल रोका जाए। बकाया वसूली भी स्थगित करने की माग की। बरसात नहीं होने के कारण जिले के तमाम किसानों की फसलें खराब हो रही हैं। अभी तक किसानों को उचित मुआवजे की घोषणा भी नहीं हो सकी है। प्रेषित ज्ञापन में ग्रामीणों ने मांग किया कि फसलों की हुई क्षति भरपाई के लिए पीड़ित किसानों को प्रति बीघा 5 हजार रुपये की दर से क्षतिपूर्ति दी जाए। सभी तरह की लगान व अन्य राजस्व वसूली पर रोक लगायी जाय। किसानों के कर्जे व बिजली बिल माफ किया जाय। बच्चों के स्कूल फीस माफ किया जाय, असंगठित खेतिहर मजदूरों को मुआवजा व मनरेगा में काम दिया जाय। नहर में अविलंब पानी छोड़ा जाय। 24 घंटे बिजली की आपूर्ति किया जाय। पर्यावरण रक्षा जल संरक्षण के लिए विशेष कार्ययोजना बनायी जाय। धरने में मुख्यरूप से नंदलाल मास्टर, अमित, रामबचन, अनीता, सरिता, सोनी, श्यामसुन्दर मास्टर, पंचमुखी आदि मौजूद रहे।

राज्यमंत्री ने हर संभव सहयोग का दिया आश्वासन

संतकबीरनगर, प्रदेश के सैनिक कल्याण, खाद्य प्रसंस्करण, होमगार्ड्स, पीआरडी, नागरिक सुरक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अनिल राजभर ने खलीलाबाद तहसील के गोरयाभार गांव पहुंचे। यहां उन्होंने भाजपा कार्यकर्ता

त्रिलोकी के पुत्र दुर्गेश की सड़क हादसे में मौत पर शोक संवेदना जताया। कुछ दिन पूर्व दुर्गेश की बस्ती में हुए सड़क हादसे में मौत हो गई। यहां राज्यमंत्री ने आर्थिक सहयोग देते हुए परिजनों से मुख्यमंत्री सहायता कोष से भी सहायता करने का आश्वासन दिया। उनके साथ भाजपा के जिलाध्यक्ष रामललित चौधरी, गोरयभार के प्रधान राजकुमार सहित अनेक लोग मौजूद रहे। कल शाम करीब पांच बजे पहुंचे राज्यमंत्री ने कहा कि विपत्ति की इस घड़ी में पूरी पार्टी उनके साथ है। वहीं इसके पहले राज्यमंत्री सेमरियावां ब्लाक के ग्राम पंचायत छपिया छितौना में मसरूर आलम के आवास पर पहुंचे। यहां उन्होंने प्रदेश सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहाकि देश व प्रदेश की सरकार ने जो भी कल्याणकारी योजना चलाई है, वह ऐतिहासिक हैं, जिसका लाभ दूरस्थ गांव के जन-जन को मिल रहा है। चाहे गांव हो या शहर हर जगह विकास की गंगा वह रही है। आज किसान अपने उपज का भरपूर लाभ पाकर खुशहाल है। हमारे लोकप्रिय प्रधानमंत्री सब का साथ और सबका विकास के पथ पर चलकर देश को शीर्षक स्थान पर ले जा रहे है। इस मौके पर थाना प्रभारी दुधारा करुणाकर पांडेय,डा फिरोज अहमद, नवील अहमद, मौलाना मुबारक, मोहम्मद आजम,भाजपा मंडल अध्यक्ष राम पुरूषोत्म गुप्ता, पूर्व मंडल अध्यक्ष संत राम वरूण,शिव पूजन राजभर,मुनि राम राजभर,बंसत लाल राजभर,अनवार आलम,मौलाना मुबारक, सुहेल अख्तर, डा मेराज अहमद, वसीउद्दीन के अलावा तमाम पुलिस फोर्स व ग्रामीण मौजूद रहे।

गांव की दशा सुधारने के लिए मुख्यमंत्री से की मांग

महराजगंज, ब्लाक क्षेत्र मिठौरा के राजस्व ग्रामसभा मुजहना बुजुर्ग में आज भी समस्याओं का अंबार है। इससे यहां के लोगों को राजस्व ग्राम होने का वास्तविक लाभ नहीं मिल रहा है। गांव निवासी अशोक कुमार ने मुख्यमंत्री को पत्र के माध्यम से गांव की समस्याओं से अवगत कराते हुए इनके निदान की मांग की है। सीएम को भेजे गए शिकायती पत्र में बताया गया है कि करीब पांच हजार आबादी वाले इस गांव को जाने के लिए रोड नहीं है। बारिश में तो यह समस्या और गंभीर हो जाती है। गांव में एक ओवरहेड टैंक बना है जो हमेशा ही बंद रहता है। बीते एक माह से इससे जलापूर्ति ठप है। जर्जर विद्युत लाइनें अक्सर टूटकर गिर जाती हैं। जिससे आपूर्ति बाधित बनी रहती है। यहां के शौचालयों की दशा काफी दयनीय है। जल निकासी की व्यवस्था न होने से बारिश में गांव के मार्गों पर कीचड़ बना रहता है।

पत्नी पार्षद, इस्तीफा देने खुद पहुंच गए

गोरखपुर, वार्ड नंबर 50 विकासनगर की भाजपा पार्षद प्रमिला ओझा के पति अजय ओझा ने मंगलवार को नगर निगम में जमकर ड्रामा किया। पत्नी की जगह वह खुद इस्तीफा लेकर पहुंच गए

और महापौर को सौंप दिया। कुछ देर की बातचीत के बाद इस्तीफा का पत्र महापौर से मांगने लगे। हालांकि महापौर ने पत्र वापस नहीं किया। दोपहर में नगर निगम पहुंचे पार्षद के पति ने वार्ड में विकास कार्य न होने पर नाराजगी जताई और महापौर सीताराम जायसवाल के कमरे में पहुंच गए। उन्होंने कहा कि 3.76 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का प्रस्ताव तैयार कर नगर निगम में दे चुका हूं, लेकिन आज तक कुछ नहीं हुआ। पार्षद के पति अजय ओझा इस्तीफा लेकर आए थे। मैंने उनसे पूछा कि किस अधिकार से आप इस्तीफा दे रहे हैं। वह विकास कार्यों के बारे में पूछ रहे थे। उन्हें समझा दिया गया है। बता दिया है कि प्रस्ताव पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। काम की प्रक्रिया होती है, जो पूरी होते ही टेंडर होगा और काम शुरू होगा। पार्षद प्रमिला ओझा के सीयूजी मोबाइल नंबर पर फोन करने पर पति अजय ओझा ने काल रिसीव की। पार्षद से बात कराने के सवाल पर कहा कि पार्षद ही बोल रहा हूं। पत्नी के पार्षद होने के सवाल पर कहा कि सारा काम हम ही देखते हैं। बोले, वह धमकी देने गए थे। प्रस्ताव देने के बाद भी काम न होने से धमकी भरा पत्र देना जरूरी था। इलाके के लोग काम न होने पर सवाल पूछ रहे हैं। एक हफ्ते की मोहलत मिली है। यदि काम शुरू नहीं हुआ तो आंदोलन करूंगा।

सूबे में माडल बनेगा परिषदीय विद्यालय गोधना

जौनपुर, जनपद के परिषदीय स्कूल गोधना को सूबे का माडल विद्यालय बनाने की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। कल जिलाधिकारी अरविन्द मलप्पा बंगारी ने निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। डीएम ने गांव निवासी व उद्योगपति ज्ञान प्रकाश सिंह द्वारा प्राथमिक शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यालय को गोद लेकर माडर्न स्कूल बनाने की पहल को सराहा। कहा कि इस तरह से सभी सक्षम लोग सहयोग करें तो गरीबों को भी गुणवत्तायुक्त शिक्षा देना आसान हो जाएगा। डीएम ने विद्यालय को अंग्रेजी माध्यम बनाकर योग्य शिक्षकों की तैनाती का निर्देश बीएसए को दिया। उन्होंने परिसर में खंडहर में तब्दील शौचालयों व कक्षों को तोड़ने को कहा। ज्ञान प्रकाश सिंह के पुत्र अमित सिंह ने बताया कि पिताजी द्वारा गोद लिए गए स्कूल को सुंदर व सुसज्जित बनाने के साथ ही अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। वाईफाई थ्रीडी प्राजेक्टर, डीलक्स शौचालय, आरओ, वाटर कूलर, डेस्क-बेंच, ज्ञानवर्धक वाल पेंटिंग, खेल के उपकरण आदि संसाधन अच्छे कान्वेंट स्कूल की तरह होंगे। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा. राजेंद्र प्रसाद सिंह ने आदर्श विद्यालय बनाने में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। कहा कि आज-पास के अमान्य विद्यालयों को बंद कराकर वहां के बच्चों को इस विद्यालय में समायोजित

कराया जाएगा। निरीक्षण के दौरान माउंट लिट्रा जी स्कूल के निदेशक अरविंद सिंह, ग्राम प्रधान व क्षेत्र के लोग मौजूद रहे।

दलितों का आरक्षण ही संरक्षण-डा. लालजी

मिर्जापुर, प्रदेश के अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के चेयरमैन व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री डा. लालजी प्रसाद निर्मल ने कहा है कि दलितों का आरक्षण ही उनका संरक्षण है। वे कल फतहां स्थित सिंचाई विभाग के निरीक्षण गृह में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार

दलितों के हितों विशेषकर आर्थिक हितों को लेकर गंभीर है। उनके उन्नयन का लगातार प्रयास किया जा रहा है। इस दौरान उनके निशाने पर समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी रही। विशेषकर मायावती को कई मुद्दों पर उन्होंने घेरा, कहा कि उन्होंने दलितों के उत्थान का प्रयास नहीं किया बल्कि उनको वोट बैंक बनाया। यदि दलित आर्थिक रूप से मजबूत हो जाता तो उनकी कलई खुल जाती। इसलिए उन्होंने दलितों का सत्ता के लिए मात्र इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार दलितों के लिए स्टैंडअप इंडिया योजना के तहत बैंक की प्रत्येक शाखा एक दलित एवं एक महिला को 10 लाख से लेकर एक करोड़ रुपये तक का लोन दे रही हैं। इसी प्रकार प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत सभी वर्गों के लिए 25 लाख रुपये तक की धनराशि दिए जाने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सहित अन्य दल लोहिया व अंबेडकर के नाम पर राजनीति करते हैं। उन्होंने दलितों के लिए कोई एजेंडा नहीं बनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा ने प्रोन्नति में आरक्षण का बिल फड़वाया तो मायावती ने प्रदेश में अनुसूचित जाति एक्ट को निष्प्रभावी किया।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

अमेठी, ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची आरपीएफ पुलिस ने पहुंचकर स्थानीय पुलिस को सूचना दी, जहां पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। घटनाक्रम के अनुसार कमरौली थानाक्षेत्र के पूरे बादल रसूलपुर निवासी राजेश (३५) पुत्र रघुनाथ किसी काम से मंगलवार की देर शाम घर से निकला था, जिसका शव सिंदूरवा रेलवे स्टेशन के करीब 132 गेट पर पड़ा हुआ पाया गया।

सर्वदलीय श्रद्धांजलि सभा में याद किए गए राजकुमार

फैजाबाद, ग्राम प्रधान एवं पत्रकार राजकुमार यादव सच्चे एवं नेकदिल इंसान थे। उन्होंने हमेशा समाज को जोड़ने का कार्य किया। पहले पत्रकारिता और उसके बाद राजनीति में प्रवेश कर उन्होंने अपनी भूमिका का बेहतरीन प्रदर्शन किया, उनके कार्य समाज में हमेशा जीवंत रहेंगे। यह बातें महबूबगंज बाजार में आयोजित सर्वदलीय श्रद्धांजलिसभा में पूर्व विधायक जयशंकर पांडेय ने कही। पांडेय ने उनके निधन को समाज के लिए अपूर्णीय क्षति बताया। सभा की अध्यक्षता मया ब्लाक प्रमुख भूपेंद्र प्रताप सिंह बब्लू ने की। संचालन बसपा के मंडल जोन इंचार्ज पूर्व जिला पंचायत सदस्य दिलीपकुमार विमल ने किया। विधान परिषद सदस्य हीरालाल यादव ने राजकुमार के सामाजिक कार्यों को याद करते हुए उन्हें महान समाजसेवक बताया। सभा के आयोजक दिलीप विमल के साथ उनियार के प्रधान राघव सिंह रहे। सभा में मोहम्मद वैस अंसारी, डा. एमपी यादव, प्रदीप त्रिपाठी, मोहम्मद असलम, पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामसुभावन भारती, रामकेवल यादव, सियाराम वर्मा, शमशाद अली, विजयपाल, दिलीप कुमार यादव, दिग्विजय त्रिपाठी, बजरंगी पाठक, आनंद त्रिपाठी, रामकेर सिंह, शिवकुमार सैनी, अवधेश मिश्र, फूल सिंह, अरविंद तिवारी आदि ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

ट्रक-बोलेरो की भिड़ंत में ३ लोगों की मौत, दो गंभीर

गाजीपुर, भांवरकोल के रसूलपुर गांव के सामने मुहम्मदाबाद-भरौली मार्ग पर कल शाम ट्रक और बोलेरो में आमने-सामने हुई भिड़ंत में ३ लोगों की मौत हो गई जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को सीएचसी मुहम्मदाबाद भेज दिया। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में ले लिया। बिहार प्रांत के भोजपुर जिला के करारी थाना क्षेत्र के करत गांव निवासी विकास कुमार सिंह बोलेरो से अपने पांच मित्रों के साथ मुहम्मदाबाद से भरौली की ओर तेज गति से जा रहा था। रसूलपुर गांव के पास तेज खाली ट्रक से आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दूर तक आवाज हुई। यह सुन ग्रामीण घटना स्थल की तरफ दौड़ पड़े। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुहम्मदाबाद ले आई। जहां इलाज के दौरान विकास कुमार सिंह निवासी भोजपुर करत और मंतोष सिंह (३५) रोहतास जनपद के पांडेय डेहरी मोहल्ला निवासी की मौत हो गई जबकि गंभीर रूप से तीन घायलों में करीब 45 वर्षीय युवक ने जिला अस्पताल में दम तोड़ दिया। बाकी दो की हालत नाजुक बनी हुई है। इसकी सूचना परिजनों को दे दी गई है।

खूनी संघर्ष, ४ महिलाओं सहित एक दर्जन घायल

चौरी (भदोही), थाना क्षेत्र के औसानपुर गांव में कल सुबह जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर लाठी डंडा व ईंट पत्थर चले। इस दौरान दोनों पक्षों से ४ महिलाओं सहित एक दर्जन लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को भदोही स्थित सीएचसी में उपचार कराया गया। दोनों पक्षों की तहरीर पर पुलिस ने ८ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। उक्त गांव निवासी अशोक व सुनील गुप्ता के बीच काफी दिनों से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। आरोप है कि उक्त जमीन पर एक पक्ष द्वारा निर्माण कार्य कराया जा रहा था जिसका दूसरे पक्ष ने विरोध किया। इस बीच विवाद बढ़ते - बढ़ते मारपीट तक जा पहुंचा। फिर क्या था दोनों पक्षों की ओर एक दूसरे पर जमकर हमला किया गया। परिणाम यह हुआ कि इस खूनी संघर्ष में ४ महिलाओं सहित एक दर्जन लोग लहूलुहान हो गए। एक पक्ष के अशोक, अवधेश, विजयनाथ, चनरी, विटना तथा दूसरे पक्ष से सुनील, संजू, सविता, जग्गू, भग्गू आदि घायल हुए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों के घायलों का भदोही सीएचसी ले जाकर उपचार कराया। इस मामले में दोनों पक्षों की तहरीर पर पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ मारपीट व शांति व्यवस्था भंग करने का मुकदमा दर्ज कर लिया है। उधर घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

मेहंदी सजाकर बैठी रही दुल्हन, नहीं आए बाराती

बस्ती, विक्रमजोत ब्लाक क्षेत्र के अमोढ़ा ग्राम पंचायत के एक गांव में अपने ननिहाल में रह रही युवती की शादी के दिन बारात ही नहीं पहुंची। मेहंदी रचाकर युवती अपने दूल्हे का इंतजार करती रही मगर दूल्हा और बराती नहीं पहुंचे। बाद में युवती के परिजनों ने दुबौलिया थाने पर पहुंचकर पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया। पुलिस मामले में दोनों पक्षों से बात कर रही है। ननिहाल में रह रही एक युवती की शादी दुबौलिया थाना क्षेत्र के एक गांव में 16 जुलाई को तय थी। शादी के बारे में बताया गया कि ढाई वर्ष पूर्व अमोढ़ा के कोटही माता मंदिर पर लड़की के परिजन व युवक और उसकी मां ने तय किया था। सोमवार को लड़की पक्ष बारात का इंतजार करते रह गए , मगर न तो बारात आई और न ही दूल्हे का पता चला। लड़की की मां ने दूल्हे के नंबर पर फोन कर संपर्क करना चाहा तो फोन बंद मिला। जबकि दिन में दो बार उसने बताया था कि देर शाम तक वह बारात लेकर पहुंचेगा। काफी इंतजार के बाद जब बारात नहीं आई तो लड़की की मां ने डायल 100 पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। इधर लड़की के परिवार वाले दुबौलिया थाने पर पहुंच गए। पुलिस के साथ परिजन लड़के के घर पहुंच गए। जहां पर सिर्फ उसकी मां मिली, पर लड़के का कहीं पता नहीं लगा। ग्रामीणों से पूछताछ के बाद पता चला कि लड़के की शादी के बारे में किसी को कुछ पता नहीं है। अगले दिन मंगलवार को सुबह लड़की की मां ने दुबौलिया थाने पर तहरीर दी। इसमें कहा कि 16 जुलाई को बारात न आने से उसकी सामाजिक क्षति हुई है। दुबौलिया थाना के प्रभारी निरीक्षक पंकज गुप्ता ने बताया कि पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

हत्यारोपी की जमानत याचिका खारिज

अंबेडकरनगर, जिला एवं सत्र न्यायाधीश अशोक कुमार सिंह ने हत्या के आरोपी महिला की जमानत याचिका खारिज कर दी। कोतवाली टांडा क्षेत्र के चिंतौरा में गत 21 मई को जमीन के बंटवारे के विवाद को लेकर राजबहादुर उर्फ मकबूल यादव पुत्र रामआसरे यादव को उनके भाई तेज बहादुर, तेजबहादुर की पत्नी अनीता यादव व पुत्र विपिन यादव ने उनकी गमछे से गला दबाकर हत्या कर लाश कमरे में रखकर बंद कर दिया। पीड़ित पुत्र दिलीप यादव की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

तीसरी पीढ़ी की तमन्ना हुई पूरी, पूर्वजों की धरती पर आ कर अभिभूत

भदैंया (सुल्तानपुर), अपने पूर्वजों के वतन को देखने की तमन्ना युवावस्था से ही बृंदा के दिल में थी, जो अब पूरी हुई। भारत के बेलामोहन-सुल्तानपुर पहुंचने पर उनको सबकुछ अपना सा लग रहा है। यहां के लोगों का प्रेम व व्यवहार उन्हें भावुक कर दे रहा है। यहां हमवतनों व बिछड़े परिजनों का साथ पा कर जैसे 134 साल पहले के ऐतिहासिक पन्नों में सभी खो गए हैं। स्मृतियों के वरक में याद आती है वह घटना जब बेलामोहन के एक युवा को चौक में तिरंगा फहराने पर कालापानी की सजा दे दी गई थी। पूर्वजों की बताई बातें जो कहानी सी लगती थीं अब सामने है और सत्य के बिल्कुल करीब। भदैंया विकास खंड के बेलामोहन गांव में मारीशस से आयी बृंदा सी चरन शनिवार को यहां पहुंची तो उन्हें देखने के लिए गांव के लोग इकट्ठा हो गए। वे मारीशस से यहां अपने पूर्वजों की तीन पीढ़ी पहले के रिश्ते में दादा की मातृभूमि को देखने पहुंची है। बृंदा सी चरन मारीशस के हाई कमीशन आफ इंडिया के विभाग में एकाउंटेंट के पद पर कार्यरत थीं, पिछले साल ही सेवानिवृत्त हुई हैं। इससे पहले उनका दिल्ली तक आना जाना था। अब सेवानिवृत्त होने के बाद अपने पूर्वजों की मातृभूमि पहुंची हैं। जहां उनको अपनों सा प्यार-दुलार व सम्मान मिल रहा है। इन सब के बीच वे अभिभूत हैं। कहती हैं कि लगता ही नहीं कि मैं किसी दूसरे देश में हूं। सर्वत्र

घर जैसा लगता है। यहां आने से पहले वे गुजरात के सोमनाथ व द्वारिकापुरी के बाद जौनपुर पहुंची जहां से सुल्तानपुर आई। बेलामोहन पहुंचने के बाद यहां के परिवार के लोग रविवार को दिन में उनको गोरखनाथ मंदिर विंध्याचल व मंगलवार को बिजेथुआ महावीरन ले जाकर दर्शन कराया।

सूरत। सचीन पाली गांव डायमंड गेट के सामने से पाईपलाईन टुट गई थी। जिस पर सचीन नगर पालिका के कर्मचारियों द्वारा तात्कालिक उस पर कार्यवाही करते हुए टूटे हुए हिस्से को बदल कर गढे को बंद कर दिया। जिससे कोई भी दुर्घटना होने का अंदेशा टल गया। क्योंकि सूरत शहर सहित पुरे प्रदेश में भारी बारीश के कारण सड़कों पर जल जमाव हो जाता है और पानी के कारण गढ़ा नहीं दिखने से बच्चे, महिलाएं व बुजुर्ग इसका बड़ीं संख्या में शिकार बन जाते है। पिछले दिनों खुले गटर के ढक्कन के कारण एक बच्चा वराछा में पानी में गिर गया था जिससे उसकी मौत हो गई।

एमबीबीएस टॉपर और अरबपति घर की बेटी डॉ. हिना बनीं सन्यासिन

सूरत। एमबीबीएस डॉक्टर की डिग्री हासिल करने के बाद मुंबई की हिना हिंगड़ ने सांसारिक सुखों का त्याग कर दिया है। बुधवार को हिना ने सूरत में विधि और जैन परंपरा के अनुसार दीक्षा ग्रहण की। सूरत में डॉक्टर हिना

हिंगड़ की दीक्षा का कार्यक्रम बुधवार सुबह से शुरू होकर दोपहर के वक्त संपन्न हुआ। डॉक्टर हिना हिंगड़ की पहचान अब साध्वी श्री विशारदमाला हो गई है।

हिना ने आध्यात्मिक गुरु आचार्य विजय यशोवर्मा सुरेश्वरजी महाराज से दीक्षा ली। 28 साल की हिना अरबपति परिवार से ताल्लुक रखती हैं। अहमदनगर विश्वविद्यालय से गोल्ड मेडलिस्ट हिना पिछले तीन वर्षों से प्रक्टिस कर रही थीं। वह बचपन से ही आध्यात्म की ओर आकर्षित हो चुकी थीं। हिना के इस फैसले का परिवार वालों ने विरोध किया लेकिन वह अपने फैसले पर अडिग रही। हिना हिंगड परिवार की 6 बेटियों में सबसे बड़ी है। जैन भिक्षु बनने के हिना के फैसले से उनके परिवार वाले दुखी हैं। हिना दीक्षाके लिए जरूरी 48 दिनों का ध्यान पूरा कर चुकी हैं। आचार्य विजय ने मीडिया को बताया कि हिना ने अपने पिछले जन्म में किए गए ध्यान और श्रद्धा की वजह से भिक्षु बनने का रास्ता अपनाया है। गुजरात में कम उम्र किसी का भिक्ष बनना नई बात नहीं है। हिना से पहले अप्रैल 2018 में एक हीरा कारोबारी के बेटे भव्य शाह ने भी महज 12 साल की अवस्था में सन्यास ले लिया था।

आभूषण सहित १५ लाख के मालसामान की चोरी

चोरों ने बंगले से पूरा सेइफ डिपोजिट बॉक्स ही चोरी करके फरार हो गये : नरोडा पुलिस ने जांच शुरू की

अहमदाबाद । शहर के नरोडा निकट स्थित नाना चिलोडा के पास चोरों ने एक बंगले से हीरा जडित आभूषण और दो लाख नकद रकम सहित करीब १५ लाख रुपये की मालसामान की चोरी करके फरार हो जाने पर पूरे क्षेत्र में भारी सनसनी मच गई थी । आश्चर्य की बात यह है कि, चोरी करने के लिए चोरों ने आभूषण और नकद रकम से भरा पूरा सेइफ डिपोजिट बॉक्स ही चोरी करके फरार हो गये । इस घटना के मामले में नरोडा पुलिस ने जांच शुरू कर दी है । इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, नाना चिलोडा क्षेत्र में स्थित स्पर्श रेसीडेन्सी में रहते कुणालभाई ज गदीशभाई शाह तारीख १२ जुलाई को अपने रिश्तेदार की मौत होने की वजह से वह अपने परिवार के साथ सारंगपुर गये थे । सोमवार को कुणालभाई का भतीजा दर्शन उनके घर गया था । दर्शन स्पर्श रेसीडेन्सी में पहुंचा तब कुणालभाई के बंगले का ताला टूटा हुआ था । दर्शन ने ताला टूटे हुए होने की बात कुणालभाई को देने पर वह तथा उनके मित्रों चंद्रसिंह और दिनेशभाई तुरंत पहुंच गये और पुलिस को जानकारी दी थी । पुलिस ने ऐसी जांच करने पर जानकारी मिली कि, चोरों ने कुणालभाई के बंगले का ताला तोड़कर सेइफ डिपोजिट बॉक्स लेकर फरार हो गये । सेइफ डिपोजिट लॉकर में दो लाख रुपये नकद, ११ लाख रुपये हीरा जडित सोने के आभूषण तथा पांच किलो चांदी थी । पुलिस सूत्रों के बताये अनुसार चोरों ने कुणालभाई के बंगले का ताला तोड़कर घुस गये, ज हां उन्होंने बंगले का सभी समान बिखर दिया था और कुणालभाई के बेडरुम में रही सेइफ डिपोजिट लॉकर लेकर फरार हो गये । पुलिस ने चोरों के विरूद्ध में अपराध दर्ज करके आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए एफएसएल तथा डॉग स्कवोर्ड की मदद लिया है । इस मामले में कुणालभाई ने बताया है कि, पुलिस ने आभूषण की वेल्यु के अनुसार शिकायत नहीं लिया है । पुलिस ने दस लाख की चोरी की शिकायत दर्ज की है हालांकि वास्तव में १५ लाख रुपये के मालसामान की चोरी हुई है ।

जौनपुर के पुरासुजनराय गांव के चाकमार्ग पर भूमाफियाओं ने किया कब्जा

भूमाफियाओं के सामने बेबस ग्राम प्रधान, नही मानी बात

जौनपुर। ग्राम पुरसुजनराय तहसील बदलापुर जौनपुर में चकमार्ग को अवैध तरीके से सार्वजनिक रास्ते को अगल बगल के कास्तकारों ने कई सालों से कब्जा करके अपने खेत मे जोतकर कब्जा किया हुआ है उस रास्ते को बनाने के लिए ग्रामवशियो ने प्रधान से कई बार पहल करने की अपील की और इस रास्ते पर मिट्टी डलवाने का काम शुरू किया पर वह ग्राम प्रधान की भी बात नही माना और कार्य को रोक दिया इस मौके पर ग्रामप्रधान राकेश मिश्रा तथा बी डी सी रामअधार तथा ग्रामवाशी शियाराम शर्मा बंसबहादुर,बिंद, रामदवर हरिजन,हीरालाल बिंद, जवाहरलाल बिंद, दूधनाथ बिंद, सुभाष बिंद, रामलाल बिंद आदि लोग उपस्थित थे। ग्राम प्रधान ने आश्वाशन दिया कि इस सार्वजनिक रास्ते का कार्य हम एस.डी.एम से बात करके शासन प्रशासन की मदत लेकर पूरा कराया जाएगा।

अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर चाइल्ड हेल्प डेस्क का प्रारंभ

१०९८ फोन नंबर द्वारा चाइल्ड हेल्प डेस्क पर से मदद मिल सकेगा : रेलवे प्रशासन की नई सेवा

अहमदाबाद । अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर चाइल्ड हेल्प डेस्क की आखिर में प्रारंभ किया गया है । अहमदाबाद सहित पश्चिम रेलवे के सात रेलवे स्टेशन पर चाइल्ड हेल्प डेस्क द्वारा अलग-अलग रेलवे स्टेशनों पर से और ट्रेन में से मिलते बच्चों को उनके परिवार तक पहुंचाने के लिए हेल्प डेस्क मददरूप साबित होगा। चाइल्ड हेल्प डेस्क शुरू होने पर बच्चों और अभिभावकों में राहत की भावना फैल गई है।

उल्लेखनीय है कि, कई बार घर से भागकर आये बच्चों, लापता हुए बच्चों या मानसिक रूप से अस्वस्थ हालत में कई बच्चे मिलते है। तब ऐसे बच्चों को रेलवे स्टेशन पर शुरू की गई यह नई चाइल्ड हेल्प डेस्क मददरूप बनेगा। ऐसे बच्चों को एनजीओ या पुलिस या उनके परिवार को सौंपने की व्यवस्था की गई है। गत वर्ष पश्चिम रेलवे ने १००८ बच्चों को बचाया था । जिसमें ३३५ लड़की, ६७३ लड़के थे । इस वर्ष में गत महीने के अंत तक में ३३० बच्चों को बचाया गया है जिसमें ११० बच्ची और ६६३ बच्चे थे । रेलवे प्रशासन द्वारा ऐसे बच्चों को उनके घर तक या परिवार तक पहुंचाने के लिए पुलिस या एनजीओ की मदद ली जाती है । वर्ष २०१५ में बच्चों के लिए हेल्प डेस्क की शुरूआत करने के लिए विचार-विमर्श हुआ था । वर्ष २०१८-१९ को महिला और बच्चा सुरक्षा वर्ष जारी किया गया है। अब पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद सहित के सात स्टेशन और देश के ८८ रेलवे स्टेशन पर चाइल्ड हेल्प डेस्क शुरू की गई है। जो २४ घंटे कार्यरत रहेगी। १०९८ फोन द्वारा चाइल्ड हेल्प डेस्क पर से मदद मांगी जा सकती है।

सूरत। दो दिवसीय श्री उत्सव प्रदर्शन का आयोजन तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सिटीलाईट तेरा पंथ भवन हाल में रखा गया ।

24 घंटे में बारिश

अहमदाबाद, १८ जुलाई ।

दक्षिण गुजरात, सौराष्ट्र में भारी बारिश जारी है । पिछले २४ घंटे में कहा कितनी बारिश दर्ज हुई ये नीचे के अनुसार है ।

स्थल	बारिश (इंच में)
खंभालिया	१७ इंच से ज्यादा
माणावदर	११ इंच से ज्यादा
वासंदा	१० इंच से ज्यादा
वधई	८ इंच से ज्यादा
मांगरोल	८ इंच से ज्यादा
राणावाव	८ इंच
मालिया	८ इंच
केशोद	६ इंच से ज्यादा
वंथली	६ इंच से ज्यादा
गणदेवी	६ इंच से ज्यादा
जामजोधपुर	५ इंच से ज्यादा
कुतियाणा	५ इंच से ज्यादा
चिखली	५ इंच से ज्यादा
डोलवण	५ इंच से ज्यादा
गीरगढडा	५ इंच से ज्यादा
कोडिनार	४ इंच से ज्यादा
सुत्रपाडा	३ इंच से ज्यादा
जाफराबाद	३ इंच से ज्यादा
खेरगाम	३ इंच से ज्यादा
जामनगर	३ इंच से ज्यादा
मांडवी	३ इंच से ज्यादा
कपराडा	३ इंच से ज्यादा

सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में भी बारिश जारी रहेगी

राज्य में अभी चार दिन भारी बारिश होने का पूर्वानुमान

२०-२१ को उत्तर गुजरात में बारिश मेहरबान होने की संभावना : बारिश के पूर्वानुमान को लेकर प्रशासन अलर्ट

अहमदाबाद। मौसम विभाग ने गुजरात में अभी चार दिन तक भारी बारिश होने का पूर्वानुमान जताया गया है । मौसम विभाग ने आणंद, बडौदा, डांग, तापी, भरूच, सूरत, पंचमहाल, दमन, दादरा नगर हवेली में भारी बारिश होने का पूर्वानुमान जताया गया है, वलसाड और नवसारी जिला के अलग-अलग क्षेत्रों में बारिश होने का पूर्वानुमान जताया गया है । मौसम विभाग के पूर्वानुमान अनुसार, सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में अभी भी बारिश जारी रहेगी । इस दौरान मौसम विभाग की भारी बारिश के पूर्वानुमान को लेकर राज्य सरकार द्वारा प्रशासन को हाई अलर्ट पर रखा गया है और किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए और राहत और बचाव का कामकाज युद्धस्तर पर शुरू करने का आदेश जारी किया गया है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान अनुसार, सौराष्ट्र की बात करे तो अमरेली, भावनगर, राजकोट, पोरबंदर और बोटाद जिला के अलग-अलग क्षेत्रों में भारी बारिश होने की संभावना है । इसी प्रकार से गीरसोमनाथ, जूनागढ़ और दीव में बाढ़ प्रकोप पैदा करे ऐसी बारिश होने की संभावना है । १९ जुलाई को डांग, छोटा उदेपुर, बनासकांठा, साबरकांठा, अरवल्ली, महिसागर, पंचमहाल, वलसाड, नवसारी, सूरत, दमन और दादरा नगर हवेली के विभिन्न क्षेत्रों में बारिश होने की संभावना है । जबकि सौराष्ट्र के भावनग, अमरेली, गीर सोमनाथ, जूनागढ़, पोरबंदर, राजकोट, बोटाद और दीव के अलग-अलग क्षेत्रों में बारिश होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है। इसके अलावा २० जुलाई को साबरकांठा, बनासकांठा पाटण, मेहसाणा, अरवल्ली, सूरत, वलसाड और नवसारी के अलग-अलग क्षेत्रों में बारिश होने की संभावना है, जबकि सौराष्ट्र में जामनगर, राज कोट, बोटाद, सुरेन्द्रनगर, मोरबी और कच्छ जिला के अलग-अलग क्षेत्रों में बारिश होने की संभावना है । इसके अलावा २१ जुलाई को बनासकांठा, साबरकांठा, पाटण, मेहसाणा कई क्षेत्रों में भारी बारिश होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है।

महादेव मीडिया
रोहताश यादव 9924144499, 7015339195
वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com